वर्ष 10 अंक 10
अक्टूबर 2018

भारतीय वानिकी अनुसंधान
एवं शिक्षा परिषद्

वानिकी समाचार

अनुक्रमणिका

01 महत्वपूर्ण अनुसंधान निष्कर्ष
02 कार्यशाला/संगोष्ठी/बैठकें
03 प्रशिक्षण कार्यक्रम
05 विविध
06 अनुसंधान सलाहकार समूह
06 स्वच्छ भारत अभियान
06 गण्यमान्य व्यक्तियों का दौरा
06 मानव संसाधन समाचार

महत्वपूर्ण अनुसंधान निष्कर्ष

शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर :

- जोधपुर जिले के 55 ग्रामों में किए गए अध्ययन से *इफेड्रा फोलिएटा* सहित 21 कुलों से संबंधित 19 वृक्षों 11 शाकों, 3 अवर शाकों तथा 2 काष्ठ लताओं की उपलब्धता दर्शित होती है। उच्च महत्ता मान सूचकांक (आई.वी.आई.) के साथ सबसे बहुल वृक्ष प्रजातियां *प्रोसोपिस सिनेरेरिआ, प्रोसोपिस ज्यूलीफ्लोरा, कैप्पैरिस डेसीडुआ, वचेलिआ टॉर्टिलिस, साल्वाडोरा पर्सिका* तथा *साल्वाडोरा ओलिओइड्स* हैं। शाकों में, *जिजिपस न्यूमुलेरिआ, कैलोट्रोपिस प्रोसरा, एरेवा स्यूडोटेमेंटोसा, लेप्टाडीनिआ पायरोटेक्नीका, कैज्लीगोनम पॉलीगोनाइड्स* तथा *ग्रेविआ टेनेक्स* बहुल प्रजाति हैं। कृषि भूमि में पी. सिनेरेरिआ बहुल हैं, जबकि *सी. डेसीडुआ* तथा *पी. ज्यूलीफ्लोरा* अन्य भूमि–उपयोगों में बहुल है। *पी. ज्यूलीफ्लोरा* की आबादी *पी. सिनेरेरिआ* की आबादी से ऋणात्मक रूप से सहसम्बन्धित पाई गई।

वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून :

- चमोली जिले में 5 वन प्रकारों को सम्मिलित करते हुए, फूलों की घाटी राष्ट्रीय उद्यान, हेमकुंड, घंघेरिया तथा गोविन्द घाट, क्षेत्रों में 2500 मी.–4000 मी. के क्षेत्रों में एक सर्वेक्षण किया गया। 15/सी 1 बिर्च/रोडोडेन्ड्रान स्क्रब वन; 14 सी/1ए पश्चिमी हिमालय उन अल्पाइन फर वन, 14/1 एस 2 पर्णपाती उप अल्पाइन वन, 12/सी 1ई नम समशीतोषण पर्णपाती वन तथा 12/सी 1डी पश्चिमी मिश्रित शंकुधारी वनों के 9 ट्रांजेक्टों में तितलियों के नमूने लिए गए। विभिन्न वन प्रकारों के अंतर्गत तितलियों की प्रजातियों के आंकड़ों को दौरे के दौरान नमूना ली गई 22 प्रजातियों के आंकड़ों में से 5 नवीन प्रजातियों के आंकड़ों को संकलित कर आंकड़ा भंडार को 179 प्रजाति नमूनों तक अद्यतनीकृत किया गया। सर्वेक्षण के दौरान पकड़ी गई तितलियों के 6 नमूनों को स्ट्रेचड, परिरक्षित तथा चिन्हित किया गया। इन 4 प्रतिदर्श स्थलों (फूलों की घाटी राष्ट्रीय उद्यान, हेमकुंड, घंघेरिया तथा गोविन्द घाट) के वन प्रकारों का भौगोलिक सूचना प्रणाली आधारित मानचित्र सृजित किया गया।
- बन ओक वनों से एकत्रित शलभों की 37 प्रजातियां चिन्हित की गई। पश्चिमी हिमालय ओक के नाशी कीटों पर आंकड़ा भंडार को कोलिओप्टेरा की 5 प्रजातियों पर सूचना संकलित कर अद्यतन किया गया।
- भृंग की 526 प्रजातियों का डिजीटलीकरण किया गया तथा इन प्रजातियों के लगभग 1200 छायाचित्रों को संपादित तथा भंडारित किया गया। आंकड़ा भंडार में आंकड़े रखने वाली संपादित प्रजातियों हेतु आंकड़ा भंडार को अद्यतन किया गया।
- परियोजना "कैम्पटी वाटरशेड (मसूरी) के वनों द्वारा प्रदत जलविज्ञान संबंधी सेवाओं का मूल्यांकन" के अंतर्गत मसूरी में उच्च वर्षा के कारण वाष्पीकरण मात्र 12 मि.मी. दर्ज किया गया। माह के दौरान 99.7% आर्द्रता दर्ज की गई। अधिकतम तथा न्यूनतम तापमान क्रमशः 24.4°C तथा 15.1°C दर्ज किया गया।
- "उत्थित CO_2 परिस्थितियों पर पादपों की अनुकूलन प्रतिक्रिया का अध्ययन" के अंतर्गत सभी प्रजातियों की अंतिम वृद्धि मांपी गई। पादपों को अग्रेतर पोषक तथा बायोमास आकलन हेतु जड़ से उखाड़ दिया गया। शुष्क बायोमास मात्रा की जांच की गई। उसके बाद, शुष्क प्रतिदर्श को अग्रेतर पोषक तथा कार्बन आकलन हेतु संदलित कर दिया गया।

- अरूणाचल प्रदेश से एकत्रित *वैलिरियाना जटामांसी* की 3 वन्य आबादियों (ए.पी.8, ए.पी.1, एन.जी.एल.1) को पहली बार उनके प्रकंदों में अस्थिर घटकों हेतु लक्षण–वर्णित किया गया।
- चौरंगीखाल, उत्तरकाशी के वनों में उगने वाली *क्वार्कस सेमिकार्पिफोलिआ* की एक आबादी को, पहली बार उनके पर्णों में कुल फिनोलिक मात्रा हेतु लक्षण–वर्णित किया गया।
- पात्रे एंटी ऑक्सीडेंट जांच में, *मीलिया डुबिया* तथा *युकेलिप्टस टेर्टीकार्निस* वृक्ष संधि काष्ठ को डी.पी.पी.एच. फ्री रेडिकल्स के सक्षम अपमार्जक के रूप में पाया गया।
- *पेरिस पॉलीफैल्ला* के प्रकन्दों में कुल सेपोनिन मात्रा के निर्धारण हेतु स्पेक्ट्रोफोटोमीट्रिक विधि का मानकीकरण किया गया। इस विधि का प्रयोग *पेरिस पॉलीफैल्ला* की वन्य आबादियों की रसायनिक जांच हेतु हो रहा है।

हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला

- लेह वन प्रभाग में पोपलर के वृहद्–स्तर निष्पत्रण की समस्या के संबोधन हेतु एक सर्वेक्षण किया गया। विलो पर्ण भृंग की महामारी, *प्लेजिओडेरा वेर्सीकोलोरा* लाइकार्ट (कोलिओप्टेरा : क्राइसोमेलिडी) प्रेक्षित की गई तथा नाशी–कीट के नियंत्रण हेतु विस्तृत परियोजना रिपोर्ट लेह वन प्रभाग को जमा की गई।

कार्यशाला / संगोष्ठी / बैठकें

क्र.सं.	विषय	समयावधि	लाभार्थी
	वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून		
1.	वन एवं जलवायु परिवर्तन में व्यवहार्य निवेश तथा रोजगार अवसर	23 अक्टूबर 2018	व.अ.सं. के अधिकारी, वैज्ञानिक तथा गैर सरकारी संगठनों के सदस्य

संगोष्ठी के प्रतिभागी एक साथ

	वन आनुवंशिकी एवं वृक्ष प्रजनन संस्थान, कोयम्बटूर		
2.	''आविष्कारक–उपयोगकर्ता बैठक 2018'' पर आवधिक संगोष्ठी	1 अक्टूबर 2018	व.आ.वृ.प्र.सं., कोयम्बटूर के आविष्कारकों / वैज्ञानिकों के साथ प्रगतिशील कृषक, उद्यमी तथा गैर सरकारी संगठन
3.	वानिकी में जीनोमिक्स एवं पराजीनी (ट्रांसजेनिक) अनुसंधान : अवसर तथा आगामी चुनौतियां	29 अक्टूबर 2018	कागज उद्योगों, जिनमें आई.टी.सी. लाइफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी सेन्टर, बेंगलुरू; तमिलनाडु न्यूजप्रिंट लि., करूर तथा सेशासयी पेपर एंड बोर्डस लि; इरोड सम्मिलित हैं, से 50 हितधारक

	वन उत्पादकता संस्थान, रांची		
4.	उत्पादकता वृद्धि हेतु भौतिक–जैवरसायनिक जांच	26 अक्टूबर 2018	सभी अधिकारी, वैज्ञानिक, तकनीकी कर्मचारी एवं अनुसंधान अध्येता
	शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर		
5.	गुणवत्ता रोपण सामग्री के उत्पादन हेतु सूक्ष्मप्रवर्धन की प्रौद्योगिकी	18 अक्टूबर 2018	शु.व.अ.सं., के 26 वैज्ञानिक, तकनीकी कार्मिक एवं अनुसंधान अध्येता
6.	साक्ष्य आधारित आयुर्वेदिक नैदानिक पद्धति–माइग्रेन एवं अग्नाशयकोप	22 अक्टूबर 2018	शु.व.अ.सं., के 62 वैज्ञानिक, तकनीकी कार्मिक एवं अनुसंधान अध्येता

''साक्ष्य आधारित आयुर्वेदिक नैदानिक पद्धति–माइग्रेन एवं अग्नाशयकोप'' पर संगोष्ठी

	हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला		
7.	एकीकृत कीट प्रबंधन में फेरोमोन तथा क्षेत्र परिस्थितियों में इनका अनुप्रयोग	26 अक्टूबर 2018	विशेषज्ञ (शिमला आधारित सेवानिवृत्त प्राध्यापक); एच.पी.यू. विश्वविद्यालय शिमला से अनुसंधान अध्येता तथा वैज्ञानिक, अधिकारी, अनुसंधान एवं तकनीकी सहायता कर्मी

प्रशिक्षण :

क्र.सं.	विषय	समयावधि	लाभार्थी
	वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून		
1.	वानिकी अधिनियम एवं नीति	15–27 अक्टूबर 2018	13 प्रतिभागी
2.	लघु वनस्पति उद्यान का प्रबंधन	3 अक्टूबर – 2 नवम्बर 2018	14 प्रतिभागी
	वन आनुवंशिकी एवं वृक्ष प्रजनन संस्थान, कोयम्बटूर		
3.	ईको–क्लब के शिक्षकों को ''जैवविविधता संरक्षण एवं प्रकृति शिक्षा'' पर प्रशिक्षण	09–11 अक्टूबर 2018	कोयम्बटूर जिले के 32 ईको–क्लब शिक्षक

4.	जैव–उर्वरक उत्पादन तथा पौधशाला व क्षेत्र में अनुप्रयोग	23 अक्टूबर 2018	कोल्ली हिल्स, जिला–नमक्कल, तमिलनाडु के 120 हित धारक
5.	जैव प्रौद्योगिकी तथा इसके अनुप्रयोग	25–26 अक्टूबर 2018	विद्यालय के छात्र तथा शिक्षक

शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर

6.	वन एवं आजीविका संसाधन	8–10 अक्टूबर 2018	पंचायती राज संस्थान : सरपंच, वी.एफ.पी.एम.सी. सदस्य, स्काउट रोवर्स, ईको क्लब सदस्य, जलोत्सारण विकास दल सदस्य, शिक्षक, गैर सरकारी संगठन, प्रगतिशील कृषक
7.	मृदा एवं जल संरक्षण में वनों का महत्व	11–13 अक्टूबर 2018	वी.एफ.पी.एम.सी. सदस्य, स्काउट रोवर्स, ईको क्लब सदस्य, जलोत्सारण विकास दल सदस्य, शिक्षक, गैर सरकारी संगठन, प्रगतिशील कृषक

वन एवं आजीविका संसाधनों पर प्रशिक्षण

मृदा एवं जल संरक्षण में वनों के महत्व पर प्रशिक्षण

हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला

8.	महत्वपूर्ण हिमालयी वानिकी प्रजातियों की गुणवत्ता पौधशाला स्टॉक में वृद्धि हेतु आधुनिक पौधशाला तकनीकियां	22–26 अक्टूबर 2018	अनुसंधान वृत्त, उत्तराखंड वन विभाग के वन कार्मिक तथा अग्रपंक्ति कर्मचारी
9.	शीतोष्ण वानिकी प्रजातियों की गुणवत्ता पौधशाला स्टॉक में वृद्धि हेतु बीज एवं आधुनिक पौधशाला तकनीकियां	28–29 अक्टूबर 2018	सरहन वन्यजीव प्रभाग, राज्य वन विभाग, हि.प्र. के अधिकारी एवं अग्रपंक्ति कार्मिक
10.	उत्पादकता की वृद्धि हेतु रोपण स्टॉक सुधार कार्यक्रम	29–31 अक्टूबर 2018	एन.जी.ओ., जे.एफ.एम.सी., छात्र नेचर क्लब/ईको क्लब, ग्राम पंचायत, ईको टास्क फोर्स सदस्य, जलोत्सारण समितियां

उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान, जबलपुर

11.	मध्य प्रदेश में अकाष्ठ वन उत्पादों के एकत्रकों हेतु हरड़ के एकत्रण, संवहनीय तुड़ान एवं प्रस्संकरण पर क्षमता निर्माण	15,16,22,23,24,25,29,30 तथा 31 अक्टूबर 2018	अकाष्ठ वन उत्पादक एकत्रक

वर्षा वन अनुसंधान संस्थान, जोरहाट

12.	बाँस कृषि, प्रवर्धन, पौधशाला प्रबंधन एवं बाँस परिरक्षण तकनीकियां, कृमिखाद	30–31 अक्टूबर 2018	वन रक्षक

बाँस कृषि, प्रवर्धन, पौधशाला प्रबंधन एवं बाँस परिरक्षण तकनीकियां, कृमिखाद पर प्रशिक्षण

वन उत्पादकता संस्थान, रांची

13.	कृषिवानिकी, आधुनिक पौधशाला पद्धतियों तथा लाख कृषि पर प्रशिक्षण	31 अक्टूबर 2018	फॉरेस्ट ट्रेनिंग स्कूल, महिलांग, रांची, झारखंड से प्रशिक्षु

वन जैवविविधता संस्थान, हैदराबाद

14.	चंदनकाष्ठ की कृषि पद्धति एवं कृषि वानिकी	6–8 अक्टूबर 2018	कृषक

विविध :

संस्थान	विशेष दिन/विषयवस्तु	समयावधि
शु.व.अ.सं, जोधपुर	सतर्कता जागरूकता सप्ताह	29 अक्टूबर से 02 नवम्बर 2018
व.उ.सं., रांची		
हि.व.अ.सं., शिमला		29 अक्टूबर 2018

अनुसंधान सलाहकार समूह बैठक :

- व.आ.वृ.प्र.सं., कोयम्बटूर में 8 अक्टूबर 2018 को अनुसंधान सलाहकार समूह बैठक संचालित की गई।
- वर्षा वन अनुसंधान संस्थान ने 1 अक्टूबर 2018 को व.व.अ.सं., जोरहाट की 20वीं अनुसंधान सलाहकार समूह बैठक आयोजित की।
- निदेशक, हि.व.अ.सं की अध्यक्षता में 9 अक्टूबर 2018 को अनुसंधान सलाहकार समूह बैठक आयोजित हुई।
- निदेशक, व.उ.सं., की अध्यक्षता में 3 अक्टूबर 2018 को व.उ.सं. की 19वीं अनुसंधान सलाहकार समूह बैठक आयोजित हुई।

स्वच्छ भारत अभियान :

- समस्त भा.वा.अ.शि.प. संस्थानों में 2 अक्टूबर 2018 को 'स्वच्छ भारत अभियान दिवस' आयोजित किया गया।

गण्यमान्य का दौरा :

- श्री प्रवीन गर्ग, अपर सचिव तथा वित्तीय सलाहकार पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय; भारत सरकार, नई दिल्ली ने 19 अक्टूबर 2018 को व.अ.सं., देहरादून का दौरा किया।
- श्री अनिल संत, संयुक्त सचिव; राष्ट्रीय पशु कल्याण संस्थान; पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय; भारत सरकार, नई दिल्ली ने 24 अक्टूबर 2018 को व.अ.सं., देहरादून का दौरा किया।

व.व.अ.सं., जोरहाट में अनुसधान सलाहकार समूह बैठक

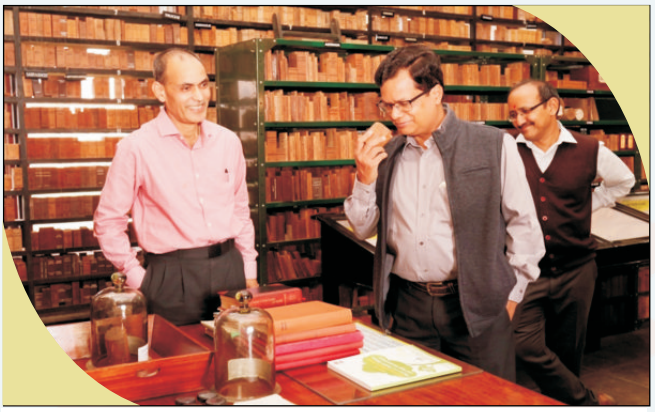

श्री प्रवीन गर्ग, अपर सचिव तथा वित्तीय सलाहकार, प.व.ज.प.मं., भारत सरकार, नई दिल्ली ने व.अ.सं., देहरादून का दौरा किया।

मानव संसाधन समाचार :

प्रत्यावासन :

अधिकारी का नाम	दिनांक
डॉ. नीलू गेरा, भा.व.से., उ.म.नि. (शिक्षा), भा.वा.अ.शि.प.	09.10.2018
श्री संदीप कुजूर, भा.व.से., स.म.नि. (प्रशासन), भा.वा.अ.शि.प.	26.10.2018
श्रीमती के. यशोधा, भा.व.से., उ.व.सं., व.आ.वृ.प्र.सं., कोयम्बटूर	06.10.2018

सेवानिवृत्ति :

अधिकारी का नाम	दिनांक
डॉ. वाई.एम.दुबे, वैज्ञानिक – 'ई', व.अ.सं., देहरादून	31.10.2018
श्री गिरीश चन्द्र भण्डारी, एस.ओ., भा.वा.अ.शि.प., देहरादून	31.10.2018

संरक्षकः
डॉ. सुरेश गैरोला, महानिदेशक
संपादक मंडलः
श्री विपिन चौधरी, उप महानिदेशक (विस्तार), अध्यक्ष
डॉ. (श्रीमती) शामिला कालिया, सहायक महानिदेशक (मीडिया एवं विस्तार प्रभाग), मानद सम्पादक
श्री रमाकांत मिश्र, सहायक मुख्य तकनीकी अधिकारी, (मीडिया एवं विस्तार प्रभाग),सदस्य

प्रत्याख्यान

केवल निजी रूप से प्रसारण करने हेतु।

वानिकी समाचार में, प्रकाशित सामग्री, संपादक मंडल के विचारों को अनिवार्यतः प्रतिबिंबित नहीं करती है।

यहां प्रकाशित सूचना के लिए किसी भी प्रकार के नुकसान की भरपाई के लिए भा.वा.अ.शि.प. उत्तरदायी नहीं होगा।